

प्रेषण

अर्जुन सिंह,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड राज्य।

देहरादून,  
मिशन स्कॉल एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

मिशन अनुसार-३

देहरादून: दिनांक: १७ मार्च, 2005

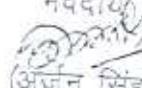
विषय- वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान संख्या 12 आयोजनेतर पक्ष में रेलोपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय के अन्तर्गत बैतानामि नदों ने पुनर्विनियोजन की स्थीरता।

उत्तराखण्ड विधायक आयके पक्ष सं० ५४/४/४४/२००४-०५/२२०५, दिनांक ३१ जनवरी/४/२ २००५ के अनुदान ने उके यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल नहोदय, वित्तीय वर्ष २००४-०५ में संलग्न पुनर्विनियोग रकम ८००५०.०० रुपये १५ के अनुसार रेलोपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय योजना के अन्तर्गत आयोजनेतर पक्ष में कुल रकम २,३९,३४,०००.०० (दो करोड़ उन्नाट लाख चाँसठ हजार रुपये) की धनराशि व्यव करने की सहर्ष स्थीरता प्रदान करते हैं।

२- उत्तर धनराशि को संलग्न प्रपत्र अनुसार स्वतंत्रता अधिकारियों को अद्युक्त कर दिया जाय ताकि वर्णित

३- उत्तर व्यव वर्ष २००४-०५ के आय-व्यवक में अनुदान संख्या 12, के अन्तर्गत लेखा शीर्षक- २२१०-  
मिशन राज्य लोक स्वास्थ्य- आयोजनेतर, ००- ०३- ग्रानीज स्वास्थ्य सेवाएँ- पारचात्य चिकित्सा पद्धति, ११०-  
उत्तराखण्ड औषधालय, ०३- रेलोपैथिक चिकित्सा एवं औषधालय के अन्तर्गत कालन (५) में वर्णित मानक मदों  
दो नामे आला जायेगा तथा संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र वी०८०५ १५ के अनुसार अनुदान संख्या 12 के अन्तर्गत लेखा  
शीर्षक २२१०- चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य- आयोजनेतर, ०३- ग्रानीज स्वास्थ्य सेवाएँ- पारचात्य चिकित्सा पद्धति  
११०- उत्तराखण्ड तथा औषधालय, ०३- रेलोपैथिक चिकित्सा एवं औषधालय, के अन्तर्गत कालन (१) की बचत से  
पहल तिथा जारी।

४- यह जावेद वित्त विभाग के अंश १० संख्या १८२७/वित्त अनुसार-२/२००५ दिनांक १७.०३.०५ में प्राप्त सहमति  
से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय  
  
(अर्जुन सिंह)  
संयुक्त सचिव,

संख्या उठाने वाले विवरण

१- प्रतिलिपि निम्नलिखित दो सूचनार्थ एवं अधरयक कार्यपाली हेतु प्रेषित-

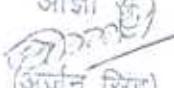
नठलेख कार, उत्तराखण्ड, नारायण देहरादून।

२- निवास, कोषारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।

३- बीरेच लोकाधिकारी, देहरादून।

४- वित्त विभाग, चिकित्सा विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।

५- वित्त अनुसार-२/नियोजन विभाग/ राज्याधीकरी/६- गांड काइल।

आज्ञा सं०  
  
(अर्जुन सिंह)  
संयुक्त सचिव

Digitized by srujanika@gmail.com

卷之三

242/λλvii(3) 2001-39/2004 द्वितीय

112

卷之三

१५८ अग्रह रथ + १२  
प्रियंकारी, प्रसिद्धि

पुस्तिकाल का आवेदन पर (हजार रुपये में)

प्राचीन भारतीय संस्कृत विद्या

卷之三

卷之三

1830-1834  
1835-1839  
1840-1844  
1845-1849  
1850-1854  
1855-1859  
1860-1864  
1865-1869  
1870-1874  
1875-1879  
1880-1884  
1885-1889  
1890-1894  
1895-1899  
1900-1904  
1905-1909  
1910-1914  
1915-1919  
1920-1924  
1925-1929  
1930-1934  
1935-1939  
1940-1944  
1945-1949  
1950-1954  
1955-1959  
1960-1964  
1965-1969  
1970-1974  
1975-1979  
1980-1984  
1985-1989  
1990-1994  
1995-1999  
2000-2004  
2005-2009  
2010-2014  
2015-2019  
2020-2024

ੴ ਸਾਹਿਬ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸਾਹਿਬ

को देना तो यह ही प्रयोग के बावजूद

સુરત પ્રદીપ

દ્વારણ વિનિયોગ

ଓৰু প্ৰতি ছে ব।

卷之三

0360

328900 14691

مکالمہ نظریہ

- 151,156 मेरु उद्दिष्ट अधिकारी ने वहां प्रभाल का पारख -

(३५८)

(८)

१६८  
१३८।

देवराजा राय  
टेल ग्रन्ड २

वर्ष १८२/१९ तिथि ३० जून २००५

देवराजा : राय १७.३. २००५

## प्रीतियोजन रचीकृति

एलोको जी

अपर सिंह,

विरत चिह्न

मेरा नाम

मेरा नाम

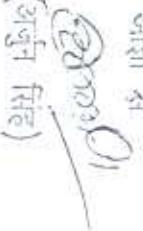
मेरा नाम (लेखा एवं छकड़ारी)

मेरा नाम राजालय रोड, देवराजा।

संख्या २८२/अग्नि(३) २००४/३९/२००४ तदरिणिकृत

मेरा नाम एवं अवस्था कार्यालयी है ये प्रेषित:-

१. निसर्ग, दोधार एवं विलं रोडवें, उत्तरांचल।
२. चंद्र चौधरी/लोधरी, उत्तरांचल।
३. फिर अंगांव २
४. टीवे घासी।

आशा दो  
  
(अनुत्त सिंह)  
संस्कृत साचिव